

B.A. 4th Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-4/GE-4

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Instructions for GE-4 (Honours student of other discipline) 2×10=20

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देव-नागरीलिपिमाश्रित्यप्रदेयम्। तत्र 'क' विभागतः प्रश्नचतुष्टयमवश्यमेव चयनीयम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে ছয়টি এবং 'খ' বিভাগ থেকে চারটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে।)

Instructions for CC-4 (General Students)

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागतः प्रश्नचतुष्टयमाश्रित्य दशप्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्।

(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে ছয়টি এবং 'খ' বিভাগ থেকে চারটি প্রশ্ন নিয়ে মোট দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় অবশ্যই লিখতে হবে। 2×10=20)

'क' विभागः

'क'-विभाग

(a) केन सूत्रेण 'घि' इति संज्ञा संभवति ?

(কোন সূত্রের দ্বারা ঘি সংজ্ঞা হয়?)

(b) सम्प्रसारणसंज्ञाविधायकं सूत्रं लिख्यताम् ?

(সম্প্রসারণসংজ্ঞা বিধায়ক সূত্রটি লেখ)

(c) केन सूत्रेण 'पतिः' शब्दस्य 'घि' संज्ञा न भवति ?

(‘পতি’ শব্দের ‘ঘি’ সংজ্ঞা কেন হয় না?)

(d) अधस्तनेषु द्वयोः 'ल्यप्-प्रत्ययान्तं' रूपं लेखनीयम्।

(নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর ল্যপ্তপ্রত্যয় সংযোগে রূপ লেখ।)

प्र-वच्, अधि-इ, वि-क्, वि-भज्।

(e) निम्नलिखितेषु धातुषु द्वयोः 'ङ्-प्रत्ययान्तं' रूपं निरूपयत।

(নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর ঙ্-প্রত্যয়—যোগে রূপ নির্ণয় করো।)

इष्, तन्, पच्, वच्।

- (f) 'ङ्' -प्रत्ययस्य नामान्तरं किम्?
('ङ्' प्रत्ययस्य नामान्तरं की?)
- (g) उदाहरणसहयोगेन 'नदी' इत्यस्य लक्षणं दीयताम्।
(उदाहरणसह 'नदी'-संज्ञारं लक्षणं उल्लेख करो।)
- (h) 'वृद्धिरादैच्' इति सूत्रं व्याख्यायताम्।
('वृद्धिरादैच्' सूत्रं व्याख्या करो।)
- (i) अधस्तनेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य व्युत्पत्तिं निरूपयत।
(नीचेर ये कोनो दुटि पदेषु व्युत्पत्तिं निर्णय करो) —उक्ता, गेयम्, वसितुम्, कुर्वाण।

'ख' विभागः

'ख' विभाग

- (a) एकपदीकरणं क्रियताम् (यथाकामं द्वयम्)।
(एककथय प्रकाश करो) (ये कोनो दुटि)।
कुलस्य अपत्यं पुमान्, उदकं पातुम् इच्छति, छत्रं शीलम् अस्य, वने भवः।
- (b) सन्प्रत्ययनिष्पन्नं पदद्वयं लिख्यताम्।
('सन्प्रत्ययनिष्पन्नं ये कोनो दुटि पदेषु उदाहरण लेखो।)
- (c) व्याकरणशास्त्रे 'उपधा' इत्यनेन किं बोध्यते?
(व्याकरणशास्त्रे 'उपधा' वलते की बोधाय?)
- (d) संज्ञा लेखनीया (यथाकामम् एकम्)।
(संज्ञा लेखो) (ये कोनो एकटि)
भाष्यम्, सूत्रम्।
- (e) सूत्रमुल्लिख्य 'घु'—इत्यस्य व्याख्या कार्या।
(सूत्र उल्लेखपूर्वक 'घु'-एर व्याख्या करो।)
- (f) निम्नलिखितेषु द्वयोः परिनिष्ठितं रूपं लिखत—
(नीचेर ये कोनो दुटिपरिनिष्ठितं रूपं लेखो।)
द् + ङ्, प्र-काश + तुमुन्, नृत् + यञ् + लट्ते, दा + यत्।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयं संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে চারটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।)
- (a) कुत्र 'सन्' इति प्रत्ययस्य प्रयोगः दृश्यते? सोदाहरणं लिख्यताम्।
(কোথায় 'সন্' প্রত্যয়ের প্রয়োগ দেখা যায়? উদাহরণসহ লেখ।)
- (b) कृत्यप्रत्ययानां व्याख्या कार्या।
(কৃত্যপ্রত্যয়গুলি ব্যাখ্যা করো।)
- (c) धातोरर्थान्तरे वृत्ते र्धात्वर्थेनोपसंग्रहात्।
प्रसिद्धेरविवक्षतः कर्मणोऽहकर्मिका क्रिया॥
— इयं कारिका व्याख्या कार्या।
—(এই কারিকাটি ব্যাখ্যা করো।)
- (d) द्विकर्मकक्रियाविषये दृष्टान्तेन सह আলোচ্যতাম্।
(দ্বিকর্মক ক্রিয়া সম্পর্কে উদাহরণসহ আলোচনা করো।)
- (e) संक्षिप्ता टीका कार्या (यथाकामं द्वयम्)।
(সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো) (যে কোনো দুটি)।
उपसर्ग, वार्तिक, गुण, गति।
- (f) सार्थकवाक्यरचनया अर्थपार्थक्यं निर्दिशत (यत्किञ्चित् द्वितयम्)—
(যে কোনো দুজোড়া পদের সার্থক বাক্যরচনার মাধ্যমে অর্থপার্থক্য দেখাও।)
(i) पुत्रीयति पुत्रायते
(ii) राजयते राजन्यति
(iii) ক্ষীরস্যতি ক্ষীরীয়তি
(iv) शूद्रा-शूद्रौ।
3. अधोनिर्दिष्टेषु विभागद्वयेषु एकैकं प्रश्नमाश्रित्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं दीयताम्। 10×2=20
(নিম্নলিখিত বিভাগ দুটি থেকে একটি করে প্রশ্ন নিয়ে মোট দুটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।)

'क' विभागः

'क' विभाग

- (a) दृष्टान्तसहयोगेन कर्मप्रवचनीयविषये संक्षिप्तवर्णनं प्रदेयम्।
(কর্মপ্রবচনীয বিষয়ে উদাহরণসহ সংক্ষিপ্ত বর্ণনা দাও।)

- (b) (i) ভূম-নিন্দাপ্রশংসাসু নিত্যযোগেহতিশায়নে।
সংসর্গেহস্তিবিক্রিয়াং ভবন্তি মতুবাদয়ঃ।।
—ইয়ং কারিকা ব্যাখ্যা কার্যা।
—এই কারিকাটি ব্যাখ্যা করো।
- (ii) কুত্র 'তুমুন্' ইতি প্রত্যয়স্য প্রয়োগঃ ভবতি লিখ্যতাম্।
'তুমুন্' প্রত্যয়ের প্রয়োগ কোন্ কোন্ ক্ষেত্রে হয় লেখ।

'খ' বিভাগঃ

'খ' বিভাগ

অধোলিখিতমনুচ্ছেদং পঠিত্বা প্রদত্তপ্রশ্নানামুত্তরাণি সংস্কৃতভাষয়া লিখত—

(নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি পাঠ করে প্রদত্ত প্রশ্নসমূহের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখ।)

- (a) অহমেকদা দক্ষিণারণ্যে চরন্নপশ্যম্—একো বৃদ্ধোব্যায়ঃ স্নাতঃ কুশহস্তঃ সরস্তীরে ব্রূতে ভোঃ ভোঃ পাস্থাঃ! ইদং সুবর্ণ-কঙ্কণং গৃহ্যতাম্। ততো লোভাকৃষ্টেন কেনচিত্ পাছেনালোচিতম্ ভাগ্যেনৈতৎ সম্ভবতি। তন্নিক্রপয়ামি তাবত্। প্রকাশং ব্রূতে কুত্র তব কঙ্কণম্? ব্যায়ো হস্তং প্রসার্য দর্শয়তি। পাছেহিবদৎ কথং মারাত্মকে ত্বয়ি বিশ্বাসঃ? ব্রায় উবাচ-শৃণুয়ে পাস্থ! প্রাগেব যৌবনদশায়ামতিদুর্ভুক্ত আসম্। অনেকগোমানুষাণাং বধাম্মে পুত্রা মৃতা দারাশচ। বংশহীনশচাম্। ততঃ কেনচিদ্ ধার্মিকোহমাদিষ্টঃ—দানধর্মাাদিকং চরতু ভবান্।
- (i) ব্যায়স্য হস্তে কিমাসীৎ? 1
- (ii) ব্যায়ঃ কিং দাতুমিচ্ছতি স্ম? 1
- (iii) পাস্থঃ কীদৃশঃ অভবৎ? কিংবা সোহপৃচ্ছৎ? 2
- (iv) পাস্থস্য বিশ্বাসোৎপাদনার্থং ব্যায়ঃ কিমুবাচ? 3
- (v) কুত্রাসীৎ বৃদ্ধঃ ব্যায়ঃ? 1
- (vi) কথং পাস্থঃ লোভাকৃষ্টঃ অভবৎ? 2
- (d) আসীৎ সত্যযুগে বৃত্রো নাম দৈত্যরাজঃ। উগ্রেণ তপসা স মহাদেবং সন্তোষ্য তস্য বরং লব্ধবান্। স ইন্দ্রাদীন্ দেবান্ পরাজিত্য স্বর্গরাজ্যাং তান্ বিতাড়িতবান্। অথ কদাচিত্ সর্বে দেবা মিলিত্বা বিধাতৃসমীপং গতবস্তো বৃত্রকৃতাং দুর্দশাং নিবেদিতবস্তশ্চ। বিধাতা আহ-ভো দেবাঃ পৃথিব্যাং দধীচির্নাম মুনিরস্তি। তস্য অস্থিনির্মিতেনাস্ত্রেণ দুরাত্মা বৃত্রাসুরো নিহস্তব্যঃ। তদ্ গত্বা পৃথিবীং তস্যাস্থীনি যাচস্তাং ভবন্তঃ। সর্বে দেবাঃ দধীচেরাশ্রমং জগ্মুঃ। ধ্যানযোগেন মুনি-শ্রেষ্ঠস্তেষামভিপ্রায়ং জ্ঞাতবান্। দেবানাং কার্যসাধনার্থং মুনিঃ যোগবলেন প্রাণানত্যজৎ। অথ বিশ্বকর্মা মহর্ষেরস্থিভিরায়ুধং নির্মায় ইন্দ্রায় দত্তবান্।
- i) কিং নামাসীৎ দৈত্যরাজস্য? 1
- (ii) স কস্মাৎ বরং প্রাপ্তবান্? 1

[5]

(iii) कथं देवाः विधातृसमीपं गतवन्तः?	2
(iv) विधात्रा वृत्रवधस्य कः उपायः वर्णितः?	3
(v) देवानाम् आगमनकारणं कथं महर्षिः ज्ञातवान्?	2
(vi) विश्वकर्मणः कर्मकुशलता कीदृशी?	1
